एम. ए. पाठ्यक्रम - चित्रकला (M.A.)

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर =

प्रश्नपत्र - ① (सैद्धान्तिक) = यूरोप की चित्रकला का इतिहास, प्रागैतिहासिक काल से आधुनिक काल तक। 10 + 40 = 50

प्रश्नपत्र - ② (क्रियात्मक) = संरचना 50 5 क्रीड्स

प्रश्नपत्र - ③ (क्रियात्मक) = व्यक्ति चित्रण एवं टाईम स्केच 50 टाईमस्केच 5 + पोट्रेट - 06 6 क्रीड्स

प्रश्नपत्र - ④ (क्रियात्मक) = दृश्यचित्रण 50

एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर =

प्रश्नपत्र - ① (सैद्धान्तिक) = यूरोप की चित्रकला का इतिहास

प्रश्नपत्र - ② (क्रियात्मक) = संरचना 50 अंक 5 क्रीड्स

प्रश्नपत्र - ③ (क्रियात्मक) = व्यक्तिचित्रणएवं टाईमस्केच 1 टाईमस्केच - 5 क्रीड्स + 6 पोट्रेट

प्रश्नपत्र - ④ (क्रियात्मक) = दृश्यचित्रण - 50 6 क्रीड्स

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर =

प्रश्नपत्र - ① (सैद्धान्तिक) = पूर्व की चित्रकला का इतिहास 40+10=50

प्रश्नपत्र - ② (सैद्धान्तिक) = कला समीक्षा एवं दर्शन 40+10=50

प्रश्नपत्र - ③ (क्रियात्मक) = मानवाकृति चित्रण एवं टाईमस्केच टाईमस्केच - 04 लाईफ - 04 50 अंक

प्रश्नपत्र ④ (क्रियात्मक) = म्यूरल पेन्टिंग 50 अंक → 02.

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर =

प्रश्नपत्र - ① (सैद्धान्तिक) = पूर्व की चित्रकला का इतिहास 40+10 = 50

प्रश्नपत्र - ② (सैद्धान्तिक) = कलासमीक्षा एवं दर्शन 40+10=50

प्रश्नपत्र - ③ (क्रियात्मक) = मानवाकृति चित्रणएवं टाईमस्केच - 06 टाईमस्केच 06 लाईफ 50 अंक

प्रश्नपत्र - ④ (क्रियात्मक) = म्यूरलपेन्टिंग 50 अंक — 03.

M.A. I sem

एम.ए. पूर्वार्द्ध

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र प्रथम - सैद्धान्तिक पूर्णांक 80

(यूरोप की चित्रकला का इतिहास)(प्रागैतिहासिक काल से आधुनिक काल तक)

परीक्षा में प्रत्येक इकाई में से दो आन्तरिक विकल्प में से एक प्रश्न हल करना होंगे प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा।

इकाई प्रथम -

प्रागैतिहासिक चित्रकला, मेसोपोटामिया की चित्रकला, मिश्र की चित्रकला।

इकाई द्वितीय -

क्रीट एवं माइसीनिया की चित्रकला, ग्रीक एवं रोमन चित्रकला।

इकाई तृतीय -

प्रारम्भिक इसाई कला, बाइजेन्टाइन चित्रकला

इकाई चतुर्थ -

रोमनस्क चित्रकला, गौथिक चित्रकला।

इकाई पंचम -

विभिन्न टिप्पणियां एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न

अनुशंसित पुस्तकें -

1) The picture History of painting from Cave painting to Modern Time by H.W.Janson & Dora Janson An Abrams Art publication
2) The History of World Art by Janson.
3) सांस्कृतिक पुनरुत्थान काल (विश्व कला का परिचय) - मधुकर दीक्षित (देवर्षि प्रकाशन, 2 ए.ड, पक्की सराय, अलिगढ)
4) हिस्ट्री आफ वर्ल्ड आर्ट - आर्नसन, ह्यिगर्ट म्लहर
5) The History of Western Art from prehistoric to Modern time by Erwin o christensen
6) प्राचीन यूरोपीय कला का इतिहास - डॉ बी.पी. कम्बोज
7) पश्चिम की चित्रकला, अशोक, ललित कला प्रकाशन, अलिगढ

(2) प्रश्नपत्र द्वितीय- क्रियात्मक (संरचना) अंक

संरचना मे मानव शरीर की विभिन्न मुद्राओं एवं भंगिमाओं का यथार्थवादी, अलंकरणात्मक या आधुनिक शैलियो मे संयोजन एवं सृजन, साथ ही मानव रहित, रंगो, आकारो एवं आयामों द्वारा भी संरचना का सृजन।

माध्यम - जलरंग, पोस्टर रंग, एक्रेलिक रंग, तैल-रंग एवं कोलाज व अन्य आधुनिक एवं परम्परागत माध्यमो मे कार्य।

इस हेतु प्रत्येक सेमिस्टर क्रियात्मक परीक्षा के पूर्व नमूने के 5 शीट्स (आकार २२"x २८") जिसमें मानवाकृति सहित ५ शीट्स एवं मानवाकृतिरहित १ शीट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगी।

क्रियात्मक परीक्षा मे संरचना के लिये ६-६ घंटे तीन दिन तक अर्थात कुल 18 घण्टे निर्धारित है।

(3) प्रश्नपत्र तृतीय - क्रियात्मक (व्यक्तिचित्रण एवं टाईमस्केच)

स्त्री या पुरुष मॉडल के वक्ष तक का तैल व जल रंगो में शारीरिक गठन तथा सापेक्ष अनुपात सहित व्यक्तिचित्रण (पोर्ट्रेट स्टडी) एवं व्यक्ति चित्रण के साथ टाईम स्केच क्रियान, चारकोल या पेंसिल से निर्मित करना।

इस हेतु प्रत्येक सेमेस्टर क्रियात्मक परीक्षा के पूर्व नमूने के 5 शीट्स टाईम स्केच एवं 6 शीट्स पोर्ट्रेट की प्रस्तुत करना अनिवार्य होगी।

1. क्रियात्मक परीक्षा मे पोर्ट्रेट स्टडी के लिये ६-६ घण्टे दो दिन तक अर्थात कुल 12 घण्टे निर्धारित है।
२. क्रियात्मक परीक्षा टाईम स्केच हेतु 1 घंटा (समय) निर्धारित है।
3. कागज का आकार ½ ड्राइंग शीट 15"x २२" होगा।

(4) प्रश्न पत्र चतुर्थ - क्रियात्मक (दृश्य चित्रण) अंक

प्राकृतिक स्थल ग्राम्य, नगरीय अथवा पर्वतीय रम्य दृश्यो का जिनमे वृक्ष, पर्ण, शैल, शिखर, भवन, नदियाँ, जल प्रपात, सागर, मेघाच्छादित आकाश का स्पॉट पर आकर चित्रण करना।

कागज का आकार 15"×22" निर्धारित है। इस हेतु प्रत्येक सेमिस्टर क्रियात्मक परीक्षा के पूर्व नमूने के ६ शीट्स दृश्य चित्रण की प्रस्तुत करना अनिवार्य होगी।

क्रियात्मक परीक्षा मे दृश्य चित्रण के लिये कुल समय ६ घण्टे निर्धारित है।

कागज का आकार 15"×22" होगा।

1-12 H8 & 11 ... [redacted] Y.1407 (5)

M.A सेमिस्टर द्वितीय

यूरोप की चित्रकला का इतिहास। परीक्षा की अवधि 3 घण्टे होगी. पुर्णांक : 40

परीक्षा में प्रत्येक इकाई में से दो आन्तरिक विकल्पों मे से एक प्रश्न हल करना होगा प्रत्येक प्रश्न ~~15~~ 8 अंको का होगा ।

इकाई प्रथम : प्रारम्भिक पुनरूत्थान काल की चित्रकला, चरम (उच्च) पुनरूत्थान काल की चित्रकला एव कलाकार

V1407 ~~E-451~~ ~~E-1271~~ ~~S-1121~~

इकाई द्वितीय : बरोक चित्रकला, रोकोको चित्रकला

इकाई तृतीय : आधुनिक चित्रकला (माडर्न आर्ट).
यथार्थ वाद एवं कलाकार गस्टाव कोर्बे, एडवर्ड माने, प्रभाव वाद एवं कलाकार क्लाड मोने, दीगा (Degas)

इकाई चतुर्थ : उत्तर प्रभाववाद एवं कलाकार विन्सेन्ट वान गफ (Von Gogh), घनवाद एवं कलाकार पेब्लो पिकासो, अति यथार्थवाद एवं कलाकार सल्वादोर डॉली, जंगल वाद एवं कलाकार मातिस (Hanri Matisse)

इकाई पंचम : विभिन्न टिप्पणियॉ एवं वस्तुनिष्ट प्रश्न

अनुशंसित पुस्तकें

1- The Picture History of Painting from Cave Painting to Modern Time by H.W.Janson & Dora Janson] An Abrams Art Publication.
2- The History of World Art by Janson.
3- सांस्कृतिक पुनरूत्थान काला (विश्व कला का परिचय) – मधुकर दीक्षित(देवऋषि प्रकाशन,295, पक्की सराय, अलिगढ़)
4– हिस्ट्री ऑफ वल्ड आर्ट – आपजान, हिंगर्ट मलहर
5- The History of Western Art From Prehistoric to Modern Time, by: Erwin O Christensen
6– प्राचीन यूरोपीय कला का इतिहास – डॉ, बी, पी. कम्बोज
7– पश्चिम की चित्रकला, अशोक,ललित कला प्रकाशन, अलिगढ़

डी. एल. सिंह्रोडिया
आचार्य : म. सं. एवं अध्यक्ष : चित्रकला विभाग
... विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

16.03.12

11.09.13

विभागाध्यक्ष
चित्रकला विभाग
... विश्वविद्यालय, उज्जैन

16.9.13

(5)

एम. ए. पूर्वार्ध, चित्रकला
सत्र 2008–09

प्रश्नपत्र द्वितीय
संरचना (क्रियात्मक)
सेमिस्टर द्वितीय

क्रियात्मक परीक्षा अंक 100

संरचना में मानव शरीर की विभिन्न मुद्राओं एवं भंगिमाओं का यथार्थवादी, अलंकरणात्मक या आधुनिक शैलियों में संयोजन एवं सृजन, साथ ही मानव रहित, रंगों, आकारों एवं आयामों द्वारा भी सरचना का सृजन ।

माध्यम– जलरंग, पोस्टर रंग, एक्रेलिक रंग, तैल रंग एव कोलाज व अन्य आधुनिक एवं परम्परागत माध्यमों में कार्य ।

इस हेतु प्रत्येक सेमिस्टर क्रियात्मक परीक्षा के पूर्व नमूने के 5 शीट्स (आकार 22"X28") जिसमें मानवाकृति सहित 4 शीट्स एवं मानवाकृति रहित 1 शीट प्रस्तुत करना आनवार्य होगी ।

क्रियात्मक परीक्षा में संरचना के लिये 6 – 6 घण्टे तीन दिन तक अर्थात कुल 18 घण्टे निर्धारित हैं ।

16.03.12
16.9.12
16.09.13

शास. माधव महाविद्यालय, उज्जैन

16.03.12
16.9.12
16.09.13

(6)

M.A. 3rd Sem

एम ए उत्तरार्द्ध

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र प्रथम - सैद्धान्तिक पूर्णांक ५०

(पूर्व की चित्रकला का इतिहास)

इकाई प्रथम -

भारत की चित्रकला का संक्षिप्त परिचय

अथवा

भारतीय प्रागैतिहासिक चित्रकला, सिंधुघाटी की सभ्यता

इकाई द्वितीय -

चीनी चित्रकला में दृश्य चित्रण, लिपि चित्रण (प्रतीक) की परंपरा

अथवा

भारतीय चित्रकला की प्रमुख विभिन्न चित्र शैलियां

इकाई तृतीय -

चीनी चित्रकला का परिचय एवं षडंग सिद्धान्त

अथवा

भारतीय चित्रकला के छः अंग, साहित्य में वर्णित चित्रकला

इकाई चतुर्थ -

जापानी चित्रकला, छापा कला

अथवा

भारतीय चित्रकला का स्वर्णयुग, अजन्ता की कला, बाघ की चित्रकला।

इकाई पंचम -

वस्तुनिष्ठ प्रश्न तथा विभिन्न टिप्पणियां

प्रश्नपत्र द्वितीय - सैद्धान्तिक पूर्णांक ५०
(कला समीक्षा एवं दर्शन)

इकाई प्रथम -
कला की परिभाषा (पूर्वी एवं पश्चिमी) कला के उद्देश्य ।

इकाई द्वितीय -
लोक कला एवं उसका समीक्षात्मक अध्ययन

इकाई तृतीय -
कला और धर्म, कला और समाज ।

इकाई चतुर्थ -
कला और नैतिकता, कला और प्रतीक ।

इकाई पंचम -
वस्तुनिष्ठ प्रश्न एवं विभिन्न टिप्पणियाँ

प्रश्नपत्र तृतीय - क्रियात्मक (मानवाकृति चित्रण एवं टाईम स्केच)

पुरुष या स्त्री मानवाकृति का विभिन्न मुद्राओं में विभिन्न वस्त्रों में और विभिन्न कोणों से अध्ययन, जीवित प्रतिरूप (माडल निर्वस्त्र एवं सवस्त्र) का तैल अथवा जलरंगों में उसके भावों को प्रदर्शित करते हुए चित्रांकन ऐसे चित्रांकन में आकृति के सामान्य क्रियाकलापों की विशुद्धता पर शरीर के सापेक्ष समानुपात शारीरिक उपागम तथा रचना पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए एवं इस तरह के कुल 4 चित्र नमूने बनवाये जावे। (परीक्षार्थियों की पूर्ण आकृति के चित्रांकन की 22"×30" इंच आकार की 4 चित्र पटिटकाएं (प्लेट्स) टाईम स्केच की 4 प्लेट जिसमें एक रंगीन पेपर पर 3+1 = 4 इसके अतिरिक्त शरीर रचना में हडि्डयां एवं मांस पेशियों के अध्ययन को प्रदर्शित करने वाले 6 चित्र नमूने अलग-2 प्रस्तुत करना होंगे

समय - 5 घंटे 3 दिन तक कुल 15 घंटे

प्रश्नपत्र चतुर्थ - क्रियात्मक (म्यूरल पेंटिंग) पूर्णांक 50

समय - 6 घंटे 3 दिन तक कुल 18 घंटे

(म्यूरल के साथ 11"×15" के साईज में प्रस्तावित म्यूरल का रंग प्रयोजन सहित स्केच भी प्रस्तुत करना होगा)

पौराणिक अथवा ऐतिहासिक कथाओं एवं सामाजिक विषयों पर आधारित मानवाकृतियों के साथ पक्षियों तथा आवश्यक पृष्ठभूमि का चित्रण करते हुए काल्पनिक चित्र की रचना जिसमें कम से कम पाँच मानवाकृतियों का चित्रण किया गया हो उक्त चित्र की रचना करते समय सिद्धान्तों (रचना के) पर विशेष ध्यान दिया जाए और एतदर्थ अध्ययन तथा क्रियाकलाप चित्रण की सहायता ली जाए। इस रचना में यथार्थवादी, अलंकारिक अथवा आधुनिक शैलियों में से कोई भी शैली प्रयोग में ला सकते हैं आकार 6 वर्गफुट इस तरह के कुल 2 नमूने बनवाये जाए।

Moा 4th सेम

V. 1411
~~5-1125~~
~~e-1275~~

एम.ए. उत्तरार्द्ध (4th सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र पंचम

सैद्धान्तिक – पूर्व की चित्रकला का इतिहास

समय – 3 घंटे | पूर्णांक – ~~35~~ 40

CCE 15+35=50

इकाई प्रथम – भारतीय चित्रकला में अपभ्रंश शैली, जैन शैली व पॉल शैली

अथवा

भारतीय मूर्तिकला की परिभाषा व मोहन जोदडो

इकाई द्वितीय – राजस्थानी मुगल व पहाड़ी शैली का परिचय

अथवा

सॉंची व भरहुत के मूर्तिशिल्प

इकाई तृतीय – भारतीय चित्रकला मे पुनर्जागरण काल, बंगाल स्कूल का योगदान व प्रगतिशील कला समूह का आधुनिक चित्रकला मे योगदान

अथवा

भारतीय मूर्तिकला की मुख्य शैलियां – गंधार व मथुराशैली

इकाई चतुर्थ – प्रगतिशील कला समूह का आधुनिक चित्रकला में योगदान तथा प्रमुख चित्रकार

अथवा

समसामयिक कला के प्रमुख चित्रकारों का जीवन परिचय एवं उनकी कला

इकाई पंचम – वस्तुनिष्ठ प्रश्न तथा विभिन्न टिप्पणियां

विभागाध्यक्ष
चित्रकला विभाग
शासै. माधव महाविद्यालय, उज्जैन

बी.एल. सिंहरोडिया
अध्यक्ष अ.बो.एवं अध्यक्ष चित्रकला विभाग
शा. कन्या स्नात. महा. उज्जैन

16.03.12

16.9.12

16.5.12

(10)

V.1412
5-1126
~~6.1276~~

एम.ए. उत्तरार्द्ध (4th सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र षष्ठम

सैद्धान्तिक – कला समीक्षा एवं दर्शन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – (35) 40

इकाई प्रथम – कला एवं सौन्दर्य, कला कल्पना तथा बिम्ब।

इकाई द्वितीय – सौन्दर्य, संबंधी पाश्चात्य दृष्टि (सोच), प्लेटो, अरस्तु, क्रोचे एवं तालस्टाय के विचार

इकाई तृतीय – सौन्दर्य संबंधी भारतीय दार्शनिक विचार।

इकाई चतुर्थ – रस निष्पत्ति।

इकाई पंचम – वस्तुनिष्ठ प्रश्न तथा विभिन्न टिप्पणियां।

विभागाध्यक्ष
चित्रकला विभाग
शास. माधव महाविद्यालय, उज्जैन

वी.एल. सिंहरोडिया
अध्यक्ष अ.वो.एवं अध्यक्ष चित्रकला विभाग
शा. कन्या स्नात. महा. उज्जैन

16.05.12
16.9.12
16.09.13

एम.ए. उत्तरार्द्ध (4थ सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र –7

सैद्धान्तिक – मानवाकृति चित्रण एवं टाईम स्केच (क्रियात्मक)

समय – 5 घंटे 3 दिन तक कुल 15 घंटे पूर्णांक – 50

पुरूष या स्त्री माकवाकृति का विभिन्न मुद्राओं मे विभिन्न वस्त्रों में और विभिन्न कोणों से अध्ययन, जीवित प्रतिरूप (माडल निर्वस्त्र एव सर्वस्त्र) का तेल अथवा जलरंगो में उसके भावो को प्रदर्शित करते हुए चित्राकन ऐसे चित्रांकन में आकृति के सामान्य क्रियाकलापों की विशुद्धता पर शरीर के सापेक्ष समानुपात शारीरिक उपागम तथा रचना पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए एव इस तरह के कुल 6 चित्र नमूने बनवाये जावे जिसमे एक एक्रेलिक कलर में बनवाया जावे इस प्रकार कुल 5 + 1 = 6 (परीक्षार्थियो की पूर्ण आकृति के चित्रांकन की 22" x 30" इच आकार की 6 चित्र पटिट्काएं (प्लेट्स) टाईप स्केच की 6 प्लेट जिसमे 3 रगीन पेपर पेस्टल रंग के माध्यम से बनवाया जावे। 3 + 3 = 6 इसके अतिरिक्त शरीर रचना मे हड्डियां एवं मांस पेशियो के अध्ययन को प्रदर्शित करने वाले 6 चित्र नमूने अलग–अलग प्रस्तुत करना होंगे।

विभागाध्यक्ष
चित्रकला विभाग
शास. माधव महाविद्यालय, उज्जैन

बी.एल. सिंहरोडिया
अध्यक्ष अ.बो.एव अध्यक्ष चित्रकला विभाग
शा. कन्या स्नात महा उज्जैन

16.03.12

16.09.13

16.9.13

(12)

एम.ए. उत्तरार्द्ध (4th सेमेस्टर)

प्रश्न–पत्र –8

सैद्धान्तिक – म्यूरल पेन्टिंग क्रियात्मक

समय – 6 घंटे 4 दिन तक कुल 24 घंटे | पूर्णांक – 50

(म्यूरल के साथ 11" x 15" के साइज में प्रस्तावित म्यूरल का रंग प्रयोजन साहित स्केच भी प्रस्तुत करना होगा)

पौराणिक अथवा ऐतिहासिक कथाओ एवं सामाजिक विषयों पर आधारित मानवाकृतियों के साथ पक्षियों तथा आवश्यक पृष्ठभूमि का चित्रण करते हुए काल्पनिक चित्र की रचना, जिसमें कम से कम पांच मानवाकृतियों का चित्रण किया गया हो, उक्त चित्र की रचना करते समय रचना सिद्धान्तों पर विशेष स्थान दिया जाए और एतदर्थ अध्ययन तथा क्रियाकलाप चित्रण की सहायता ली जाए। इस रचना मे यथार्थवादी आलकारिक अथवा आधुनिक शैलियो मे से कोई भी शैली प्रयोग मे लाई जा सकती है आकार 6 वर्ग फुट इस तरह के कुल 2 नमुने बनवाये जाए। जिसके अलावा 1 क्रियेटीव पेन्टिग बनवाई जावे इस प्रकार 2 + 1 = 3 नमुने।

विभागाध्यक्ष
चित्रकला विभाग
शास. माधव महाविद्यालय, उज्जैन

बी.एल. सिंहरोडिया
अध्यक्ष अ.वो एव अक्ष्यक्ष चित्रकला विभाग
शा. कन्या स्नात महा. उज्जैन

16.03.12

16.9.12

16.09.13